महात्मा गांधी: सत्य और अहिंसा

क्या था स्वतंत्र भारत? जिस आजादी दिवस को पूरा भारतवर्ष 15 अगस्त को इतने धूमधाम से मनाता है, क्या वो हमें मुफ्त में मिला था? क्या इस देश की स्वतंत्रता अंग्रेजों ने खुद हमें दान स्वरुप दी थी? जिस आजादी को हम आज हल्के में ले रहे हैं, क्या वो आजादी हमें कुछ पैसे दे कर मिली थी?

नहीं। यह आजादी हमारे पूर्वजों ने बोए हुए वृक्ष का फल है। उस ज़माने के कई क्रांतिकारियों के अथक कष्टों का और मेहनतों का फल है आजादी, यह स्वतंत्रता। इन क्रांतिकारियों के बारे में अधिक जागरूकता भारत में नहीं है। लेकिन ऐसे एक क्रांतिकारी हैं, जिनका नाम हर एक भारतीय बचपन से सुनता आया है। आदरणीय महात्मा गांधीजी।

महात्मा गांधी, जिन्हें बापू के नाम से भी जाना जाता है, भारत के राष्ट्रपिता और एक महान स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक थे। उन्होंने भारत को ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महात्मा गांधी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पोरबंदर और राजकोट में प्राप्त की। बाद में उन्होंने इंग्लैंड में कानून की पढ़ाई की। पढ़ाई पूरी करने के बाद गांधीजी भारत लौट आए और वकालत करने लगे।

गांधीजी ने जल्द ही महसूस किया कि भारत के लोगों को ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता दिलाने के लिए अहिंसक आंदोलन चलाना होगा। उन्होंने सत्याग्रह, सविनय अवज्ञा और हड़ताल जैसे अहिंसक तरीकों का इस्तेमाल करके भारत को स्वतंत्रता दिलाई। महात्मा गांधी ने भारत में सामाजिक सुधारों के लिए भी काम किया। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों, अस्पृश्यता के उन्मूलन और स्वदेशी आंदोलन का समर्थन किया।

महात्मा गांधी का जीवन और संदेश मेरे लिए बहुत मायने रखता है। उन्होंने मुझे सिखाया कि अहिंसा ही एकमात्र तरीका है जिससे हम शांति और सद्भाव प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने मुझे यह भी सिखाया कि हम सभी समान हैं और हमें एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने मुझे यह भी सिखाया कि हम अपने जीवन में कठिनाइयों का सामना कैसे करें और उनसे सीखें।

अहिंसा और सत्य महात्मा गांधी के जीवन और कार्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थे। इन विचारों का उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए लड़ाई में उपयोग किया, और उनका उपयोग उनके व्यक्तिगत जीवन में भी किया।

महात्मा गांधी का मानना था कि अहिंसा ही एक ऐसा रास्ता है जिससे शांति और न्याय प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा था कि "अहिंसा का मतलब है एक ऐसा शस्त्र का उपयोग करना जिससे किसी को भी नुकसान नहीं पहुंचे।" उन्होंने अहिंसा को एक शस्त्र के रूप में देखा जिससे लोग अपने अधिकारों के लिए लड़ सकते हैं, बिना किसी भी हिंसा के।

महात्मा गांधी का मानना था कि सत्य एक शक्तिशाली शक्ति है। उन्होंने कहा था कि "सत्य ही एक ऐसी चीज है जो कभी नहीं मरती।" उन्होंने सत्य को एक शक्ति के रूप में देखा जिससे लोगों को बदलाव लाने में मदद मिल सकती है।

मैं अपने जीवन में अहिंसा और सत्य का उपयोग रोजमर्रा की जिंदगी की छोटी-छोटी घटनाओं में करती हूं। मैं हमेशा उन लोगों के साथ ऐसे व्यवहार करने की कोशिश करती हूं, जिनसे मुझे नफरत हो या मुझे उनसे कोई समस्या हो, उनकी आशाएं पूरी करने की कोशिश करती हूं। मैं हमेशा सत्य बताती हूं, भले ही मुझे पता हो कि यह मुझे परेशान कर सकता है।

मुझे लगता है कि अहिंसा और सत्य का उपयोग करने से मेरी जिंदगी अत्यंत सुखमय बन गई है। मैं खुश और संतुष्ट हूं, और मुझे लगता है कि मैं अपने जीवन में अधिक प्रभावशाली हूं। मैं अन्य लोगों को भी अहिंसा और सत्य का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करती हूं, ताकि वे भी अपने जीवन में सुख और संतोष पा सकें।

महात्मा गांधी का जीवन और संदेश मेरे लिए एक प्रेरणा है। वे एक महान व्यक्ति थे जिन्होंने दुनिया को बदल दिया। मैं उनके जीवन और संदेश से हमेशा प्रेरित रहूंगी ।

आस्था बागडी

कक्षा : १० फ

पवार पब्लिक स्कूल नांदेड सिटी, पुणे